बिहार विधान सभा वादवृत्त

सोमवार, तिथि २८ जुलाई, १९५२।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में सोमवार, तिथि २८ जुलाई १९५२ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

LILA DEEP TRUST

116. SHRI RAMESH JHA: Will the Minister in charge of the Judicial Department be pleased to state—

(*a*) the total gross income from all sources per annum of Lila Deep Trust Estate from the time the Estate came into the possession of the Official Trustee;

(*b*) the total collection and management charges per annum during the above period of the said Trust Estate;

(*c*) the saving per annum during the above period in the said Trust Estate;

(*d*) whether any portion of the accumulated savings of the said Trust Estate has been utilized so far for any of the purposes of the Trust;

(*e*) if the answer to clause (*d*) be in the affirmative, what are the name or names of Institutions or the purposes for which the accumulated savings or any portion thereof has been utilized.

SHRI SHIVANANDAN PRASAD MANDAL: (*a*), (*b*) and (*c*) A statement is placed on the Library table.

(*d*) and (*e*) Rs. 17,000 is being paid annually out of the savings of the estate in the following manner :—

		Rs.
1.	Srimati Prabhavati Devi	9,000
2.	Ramanandy Anathalaya, Bhagalpur ..	3,000

			Rs
3. T. N. J. College, Bhagalpur	..	..	2,640
4. T. N. J. Collegiate School, Bhagalpur		..	1,800
5. Pension and Parwarshi	..	..	432
6. Subscription to Pandas	..	..	128

Out of the accumulated savings rupees two lacs have been decided to be paid to the Silk Institute, Bhagalpur for its expansion and development for which action is being taken to transfer the amount to the Institute.

श्री रमेश झा— क्या यह बात सही है कि सिल्क इन्स्टीच्यूट जो भागलपुर में है वह गवर्नमेन्ट इन्स्टीच्यूट है ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल— हाँ ।

श्री रमेश झा— जब लीलादीप ट्रस्ट में एक टेकनिकल इन्स्टीच्यूट खोलने की बात उस पैसे से थी तो उनके पैसे को इस इन्स्टीच्यूट में क्यों दिया गया ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल— उनका उद्देश्य देश में इनडस्ट्रीज को डिवलप करने का था। चूंकि इस काम के लिये कम पैसा था इसलिये ट्रस्ट ने अच्छा समझा कि इसी इन्स्टीच्यूट को मदद किया जाय।

श्री रमेश झा— क्या रुपया दिया जाने के पहले इसको ट्रस्ट कमिटी ने रिकोमेन्ड किया है या गवर्नमेन्ट ने अपने तरफ से रुपया सिल्क इन्स्टीच्यूट को दे दिया है ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल— यहाँ एक कमिटी चीफ मिनिस्टर के यहाँ बैठी थी जिसमें भागलपुर के एम० एल० एज० भी मौजूद थे। उसी कमिटी में यह निश्चय किया गया था कि वह रुपया भागलपुर के सिल्क इन्स्टीच्यूट को दिया जाय।

श्री रमेश झा— क्या यह बात सही नहीं है कि ट्रस्ट कमिटी ने कोई रिकमेन्डेशन नहीं किया था कि वह रुपया सिल्क इन्स्टीच्यूट को दिया जाय ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल— हमको इसका इनफोरमेशन नहीं है।

श्री रमेश झा— क्या सरकार बतायेगी कि सिल्क इन्स्टीच्यूट को जो दो लाख रुपया दिया जा रहा है वह किस परपस के लिये दिया जा रहा है ? क्या कोई परपस इयरमार्कड् किया गया है या यों ही दिया जा रहा है ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल— अभी इयरमार्कड् नहीं किया गया है। अभी यह निश्चय किया गया है कि सिल्क इन्स्टीच्यूट को रुपया दिया जाये। मगर किस रूप में खर्च होगा यह निश्चय नहीं किया गया है।

श्री रमेश झा—क्या सरकार यह जरूरी समझती है कि किसी खास काम के लिये जो रुपया दिया जा रहा है उसको इयरमार्कड् कर दें ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल— जी, हाँ। सरकार ऐसा कर सकती है।

श्री रमेश झा—क्या सरकार समझती है कि दीप बाबू का ऐसा ख्याल था कि उनके नाम का एक खास इन्स्टीच्यूट चलाया जाय ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल—मैं समझता हूँ कि उनकी खास ऐसी खाहिश नहीं थी। वह किसी तरह इनडस्ट्रीज को बढ़ाने में मदद करना चाहते थे। अभी मौजूदा हालत में यह रुपया सिल्क इन्स्टीच्यूट को दे दिया जा रहा है ताकि उनका उद्देश्य कार्य रूप में परिणत हो। माननीय सदस्य यदि उचित समझते हों तो ऐसा प्रस्ताव रख सकते हैं।

श्री रमेश झा—क्या सरकार उचित नहीं समझती है कि सिल्क इन्स्टीच्यूट में जब रुपया दिया जा रहा है तो उसका नाम दीप बाबू के नाम पर रखा जाय ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल—सरकार इसे उचित समझती है।

श्री रमेश झा—क्या सरकार इसपर विचार करना चाहती है ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल—इस पर विचार हुआ है और सिल्क इन्स्टीच्यूट का नाम लाला दीप नारायण सिल्क इन्स्टीच्यूट रखा जायगा।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—क्या यह सही है कि लाला दीप ट्रस्ट स्टेट का इनकम टेकनिकल इन्स्टीच्यूट खोलने के लिये दिया गया था ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल—जी हाँ, यह सही है।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—ट्रस्ट को बने हुए १५ वर्ष हो गये। क्या ट्रस्ट इसको महसूस करती है कि उनके उद्देश्य का पालन किया जाय ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल— इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिये सिल्क इन्स्टीच्यूट को मदद किया जाता है। चूंकि रुपया की कमी के कारण एक सिमिलर इन्स्टीच्यूट नहीं खोला जा सकता था, इसलिये उनके उद्देश्य की पूर्ति के लिये यह उचित समझा गया कि सिल्क इन्स्टीच्यूट को मदद किया जाय।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—क्या सिल्क इन्स्टीच्यूट को रुपया देने से उनके खाहिश की पूर्ति हो जाती है ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल— जी हाँ, इस अर्थ में उद्देश्य की पूर्ति होती है कि देश में इनडस्ट्रीज का डिवलपमेन्ट हो जाता है।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह— क्या सरकार बतलायेगी कि किस काम के लिये यह रुपया सिल्क इन्स्टीच्यूट को दिया जा रहा है ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल— आप जानते हैं कि भागलपुर तसर के लिये मशहूर है और वहाँ एक सिल्क इन्स्टीच्यूट है। इसलिये भागलपुर का नाम कायम रखने के लिये सरकार ने इस इनडसट्री को डिवलप करने को उचित समझा और इसी की पूर्ति के लिये सरकार कारवाई कर रही है।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह— सरकार ने कहा है कि पैसा दे दिया गया है मगर तय नहीं किया है कि किस रूप में पैसा खर्च किया जायगा। क्या यह सही है ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल— जी हाँ, अभी तय नहीं किया गया है। माइनर डिटेल बाद में ठीक किया जायेगा।

श्री राघवेन्द्र प्रसाद सिंह— क्या सरकार महसूस करती है कि जिस समय दीप बाबू थे उस समय भी यह सिल्क इन्स्टीच्यूट मौजूद था। अगर उनकी यही ख्वाहिश होती तो वह खुद इसको रुपया दे देते ?

श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल— इसका जवाब मैं नहीं दे सकता हूँ। यह कैसे कहा जा सकता है कि उनकी क्या ख्वाहिश थी। अध्यक्ष, यह सवाल नहीं उठता है।

---

117. SHRI RAMESH JHA: Will the Minister in charge of the Judicial Department be pleased to state—

(*a*) whether any diara land of Mouza Rajandarpur of Lila Deep Trust Estate was settled during the period the Estate has been in charge of the official trustee ;

(*b*) if the answer to clause (*a*) be in the affirmative, what was the total area of diara land settled or what was the amount of Salami realised from such settlement ?

SHRI SHIVANANDAN PRASAD MANDAL— (*a*) The reply is in the affirmative.

(*b*) The total area of diara lands settled is 4,420 bighas and the total amount of Salami therefrom is Rs. 37,692.